ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

साखी(कबीर)

कक्षा-दसवी

विषय-हिन्दी

पाठ -३

पाठ का नाम –साखी (कबीर)

PPT-3

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

साखी की पाठ व्याख्या

- सुखिया सब संसार है , खायै अरु सोवै।
  दुखिया दास कबीर है , जागै अरु रोवै।।
- सुखिया - सुखी
  अरु - अज्ञान रूपी अंधकार
  सोवै - सोये हुए
  दुखिया - दुःखी
  रोवै - रो रहे
- प्रसंग -: प्रस्तुत साखी हमारी हिंदी पाठ्य पुस्तक 'स्पर्श ' से ली गई है। इस साखी के कवि कबीरदास जी है। इसमें कबीर जी अज्ञान रूपी अंधकार में सोये हुए मनुष्यों को देखकर दुःखी हैं और रो रहे है हैं।
- व्याख्या -: कबीर जी कहते हैं कि संसार के लोग अज्ञान रूपी अंधकार में डूबे हुए हैं अपनी मृत्यु आदि से भी अनजान सोये हुये हैं। ये सब देख कर कबीर दुखी हैं और वे रो रहे हैं। वे प्रभु को पाने की आशा में हमेशा चिंता में जागते रहते हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- बिरह भुवंगम तन बसै , मंत्र न लागै कोइ।
  राम बियोगी ना जिवै ,जिवै तो बौरा होइ।।
- बिरह - बिछड़ने का गम
  भुवंगम -भुजंग , सांप
  बौरा - पागल
- प्रसंग -: प्रस्तुत साखी हमारी हिंदी पाठ्य पुस्तक 'स्पर्श ' से ली गयी है। इस साखी के कवि कबीरदास जी हैं। इसमें कबीर कहते हैं कि ईश्वर के वियोग में मनुष्य जीवित नहीं रह सकता और अगर रह भी जाता है तो वह पागल हो जाता है।
- व्याख्या -: कबीरदास जी कहते हैं कि जब मनुष्य के मन में अपनों के बिछड़ने का गम सांप बन कर लोटने लगता है तो उस पर न कोई मन्त्र असर करता है और न ही कोई दवा असर करती है। उसी तरह राम अर्थात ईश्वर के वियोग में मनुष्य जीवित नहीं रह सकता और यदि वह जीवित रहता भी है तो उसकी स्थिति पागलों जैसी हो जाती है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- निंदक नेड़ा राखिये , आँगणि कुटी बँधाइ।
  बिन साबण पाँणीं बिना , निरमल करै सुभाइ।।
- निंदक - निंदा करने वाला
  नेड़ा - निकट
  आँगणि - आँगन
  साबण - साबुन
  निरमल - साफ़
  सुभाइ - स्वभाव
- प्रसंग-: प्रस्तुत साखी हमारी हिंदी पाठ्य पुस्तक 'स्पर्श ' से ली गई है। इस साखी के कवी कबीदास जी हैं। इसमें कबीरदास जी निंदा करने वाले व्यक्तियों को अपने पास रखने की सलाह देते हैं ताकि आपके स्वभाव में सकारात्मक परिवर्तन आ सके।
- व्याख्या -: इसमें कबीरदास जी कहते हैं कि हमें हमेशा निंदा करने वाले व्यक्तिओं को अपने निकट रखना चाहिए। हो सके तो अपने आँगन में ही उनके लिए घर बनवा लेना चाहिए अर्थात हमेशा अपने आस पास ही रखना चाहिए। ताकि हम उनके द्वारा बताई गई हमारी गलतिओं को सुधर सकें। इससे हमारा स्वभाव बिना साबुन और पानी की मदद के ही साफ़ हो जायेगा।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गृह कार्य

- सारा संसार क्यों सुखी है ?
- कौन खाते और सोते हैं ?
- कबीर क्यों दुखी हैं ?
- कबीर क्यों रोते हैं ?
- भूमंगम से आप क्या समझते हैं ?
- किसकी बिरह के बारें में कबीर कहते हैं ?
- निंदक को अपने पास क्यों रखना चाहिए ?
- निंदक को कहाँ रखना चाहिए ?
- स्वभाव कैसे निरमल होगा ?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow